सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
परीक्षा – मार्च, 2019
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध **29/4/1**
29/4/2
29/4/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/4/1	29/4/2	29/4/3		
				खंड – क	
1.	1.	1.	1.	**अपठित गद्यांश**	11
	क	क	क	• पड़ोस का विशेष महत्व, सामाजिक गतिविधियों का केंद्र • पड़ोसी हमारे सुख–दुख का साथी होता है ; • पड़ोसी हमारे सुख–दुख में काम आता है	1+1=2
	ख	ख	ख	• अनचाहे पड़ोसी के साथ सहानुभूति व प्रेम की भावना • मन में उदारता की भावना उत्पन्न करती है • यही भावना देश वासियों से जोड़ती है • देश की भूमि, वन, पहाड़, पशु–पक्षी के साथ जोड़ती है (किन्हीं दो के आलोक में स्पष्टीकरण)	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	ग	ग	ग	• पारिवारिक व सामाजिक जीवन में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप न करना • व्यक्तिगत रोक–टोक न करना • उधार में लेन–देन से बचना • अधिक अपेक्षा न करना	½+½+ ½+½=2
	घ	घ	घ	• बच्चों में वाद–विवाद होने पर अपने बच्चों को नियंत्रण में रखना • जाने–अनजाने छोटी–मोटी बातों को भूल कर उनमें सुलह करा देना (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• व्यक्तिगत जीवन में रोक–टोक न करना • व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक जीवन में अधिक हस्तक्षेप से बचना • लेन–देन से परहेज करना • अधिक मंहगी / कीमती वस्तु गाड़ी आदि अपने प्रयोग के लिए न मांगना	½+½+ ½+½=2
	च	च	च	• जीवन में पड़ोस का महत्व • पड़ोसी का दायित्व • पड़ोसी में अपनत्व (अन्य कोई भी उपयुक्त शीर्षक भी मान्य)	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
2.	2.	2.	2.	**अपठित काव्यांश**	
	क	क	क	क्योंकि स्वतंत्र देश के निर्माण एवं उत्थान के लिए नई सोच, नया तरीका और नया उत्साह चाहिए	1x5=5 1
	ख	ख	ख	स्वतंत्र भारत का प्रत्येक व्यक्ति नवीन गुणों व उत्साह से युक्त, जिसके सम्मिलित प्रयास से देश का उत्थान संभव	1
	ग	ग	ग	कवि मनुष्य को पुरानी अमान्य परंपराओं को छोड़ने और नई सोच को अपनाने के लिए कहता है।	1
	घ	घ	घ	कवि नए स्वर (नई सोच) की कामना करता है, जिससे वह समाज एवं राष्ट्र में नया परिवर्तन ला सके।	1
	ङ	ङ	ङ	• किसान किसी उच्च कुल में पैदा नहीं हुआ, इस बात की उसे चिंता नहीं है; • क्योंकि स्वतंत्र देश का प्रत्येक व्यक्ति समर्थ एवं शक्तिपूर्ण हैं	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	• क्योंकि धर्म का आधार करुणा, दया व सहानुभूति आदि गुण हैं • जिनके बिना धर्म निष्ठुर व निष्प्राण है	½+½=1
	ख	ख	ख	मनुष्य दूसरों को दुख देता हुआ, स्वयं दुखी हो रहा है	1
	ग	ग	ग	• सच्चे सुख–आनंद का अभाव, धर्म व दया का दीपक बुझना • भोग–विलास में लिप्त मानव में अज्ञान का अंधकार • क्योंकि हम केवल बोलते हैं, उनके आदर्शों का पालन नहीं करते (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	½+½=1
	घ	घ	घ	दूसरों को अपने से अधिक श्रेष्ठ बनाकर नतमस्तक होना व सम्मान देना	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	ङ	ङ	ङ	निजी स्वार्थ, बुराइयाँ, भेद–भाव भूलकर अपने पूर्वजों के महान मूल्यों को जीवन में अपनाकर मनुष्यता की भावना का विकास करना	1
				<u>खंड–ख</u>	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 4 • प्रस्तुति और भाषा 1+1	8
4.	4.	4.	4.	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1 • विषयवस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.			**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	1x4=4
	क	–	–	वह अंतिम समय–सीमा जहाँ तक की खबरों को प्रकाशित किया जाता है	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	ख	–	–	किसी भी ताजा समाचार की सूचना कम से कम शब्दों में दर्शकों तक शीघ्रता से पहुँचाना	1
	ग	–	–	एंकर– समाचार प्रस्तुत करने वाला अथवा फोन–इन – एंकर द्वारा रिपोर्टर से फोन पर की गई बातचीत जो दर्शकों तक पहुँचाई जाती है।	
				नोट – प्रश्न अशुद्ध होने के कारण कोई भी संबंधित उत्तर स्वीकार्य	1
	घ	–	–	• श्रोताओं के अनुकूल • सरल और स्पष्ट • जटिल आंकड़ों–तथ्यों से मुक्त • प्रभावशाली आदि (कोई दो विशेषताएँ)	½+½=1
	ङ	–	–	इंटरनेट पर की जाने वाली पत्रकारिता	1
	–	5. क	–	• टेलीविजन पर समाचार श्रव्य और दृश्य दोनों है	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• टेलीविजन पर समाचार के विभिन्न चरण होते हैं • टेलीविजन पर समाचार की भाषा दृश्य के अनुसार होती है। (कोई दो विशेषताएँ अपेक्षित)	1
	–	ख	–	संपादक, उप संपादक, सह संपादक आदि जो अंततः पत्र के लिए उत्तरदायी होते हैं	1
	–	ग	–	गहराई से छान–बीन करके दबे या छिपे हुए तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाना	1
	–	घ	–	• आल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) –सन् 1936 • दूरदर्शन – 1959	½+½=1
	–	ङ	–	किसी भी ताजा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट जिसमें अधिकाधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिकाधिक लोगों पर प्रभाव हो	1
			5. क	• सूचना देना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• शिक्षित करना • मनोरंजन करना • एजेंडा तय करना • सरकार और संस्थानों पर निगरानी रखना आदि (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ख	• रेडियो श्रव्य माध्यम है जबकि टी.वी श्रव्य और दृश्य दोनों है। • टी.वी. की तुलना में रेडियो सस्ता माध्यम है • टी.वी. अधिक लोकप्रिय है, किंतु रेडियो की पहुँच अधिक क्षेत्रों तक है (कोई दो अंतर अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ग	किसी तकनीकी माध्यम के द्वारा ऐसी खबर या सूचना को सामने लाना, जो दबाई या छिपाई जा रही हो	1
	–	–	घ	• इसमें स्थायित्व होता है • समय और सुविधा के अनुसार पढ़ा जा	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				सकता है • अधिक वैचारिक माध्यम है • जनमत व मुद्दों के निर्माण में अहम भूमिका है (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ङ	• शिक्षित व अशिक्षित दोनों को लाभ • दर्शकों को बाँधे रखना • चित्रों का तालमेल इसे प्रामाणिक व तथ्यपरक बना देता है (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
6.	6.	6.	6.	**आलेख लेखन / फीचर लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा और प्रस्तुति 1	3
				<u>खंड – ग</u>	
7.				**काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या–** • कवि व कविता का नामोल्लेख ½+½=1 • प्रसंग 1	6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	7.	7.	7.	• व्याख्या बिंदु 3 • विशेष 1 दुख ही जीवन.....तेरा तर्पण। कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – सरोज–स्मृति प्रसंग – पुत्री की मृत्यु पर शोकाकुल पिता का अपने रचनाकर्म के द्वारा अपनी स्वर्गीय पुत्री को भावपूर्ण तर्पण व्याख्या बिंदु– • कवि का जीवन दुखों से भरा रहा, किंतु उसने कभी व्यक्त नहीं किया • यदि कवि के कर्मों का नष्ट होना ही धर्म है, तो कवि को यह भी स्वीकार है • वह अपने कर्म के मार्ग पर सदैव आगे बढ़ता रहेगा • कवि अपने समस्त कर्मों को अपनी स्वर्गीय पुत्री की तृप्ति के लिए अर्पण (तर्पण) करता है	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				विशेष– • निराला का सरोज के प्रति गहन भावात्मक लगाव • करुण रस की मार्मिक अभिव्यक्ति • 'भ्रष्ट–शीत के–से शतदल' – में उपमा एवं अनुप्रास अलंकार • तत्सम प्रधान शब्दावली **अथवा** पूरन प्रेम को.....बाँचि न देख्यौ। कवि – घनानंद कविता – कवित्त प्रसंग – • विरह में तप्त कवि का प्रेयसी सुजान को हृदय रूपी पत्र • सुजान का पत्र को बिना पढ़े फाड़ना व्याख्या बिंदु– • कवि का अपने हृदय रूपी पूर्ण व पवित्र	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				प्रेम के महामंत्र को एक प्रण के साथ सुजान के पास भेजना • सुजान के सुंदर व अनोखे चरित्र को विशेष रूप में लिखना • किसी अन्य के संबंध में कुछ भी न लिखना • सुजान ने किसी अनजान व्यक्ति का पत्र समझ टुकड़े–टुकड़े किया विशेष– • तत्सम शब्दों से युक्त ब्रजभाषा • शृंगार के उपालंभ का वर्णन व वियोग शृंगार का वर्णन • संगीतात्मकता	
8.	8. क	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर–** • भारत के प्रातः कालीन सौंदर्य का सुंदर चित्रण • वृक्षों की शाखाएँ सुंदर नृत्य करती हुईं • सूर्य की लालिमा कल्याणकारी कुमकुम की तरह • बरसात के बादल करुणा की वर्षा करते हैं • तट से समुद्र की लहरें टकराती हैं	2+2=4 1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ख	–	–	• आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों से भरता है व जाने पर खाली होता है • इस आने–जाने से भिखारियों के खाली कटोरे भरते हैं • लोगों व परिजनों की मुक्ति की कामना इसे पूर्णता देती है • साथ ही प्रतिदिन लोगों का कंधों घर शवों को ले जाना रिक्तता देता है	1+1=2
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ग	–	–	• कोयल व भँवरों की मधुर ध्वनि से लोग प्रसन्न होते हैं • परंतु विद्यापति के अनुसार नायिका पर इसका विपरीत असर होता है • नायिका हाथों से कान बंद कर लेती हैं, क्योंकि वियोग में उसे मधुर आवाज भी कड़वी लगती है • प्रकृति प्रभाव से नायिका की विरह व्यथा बढ़ जाती है	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	घ	–	–	• भरत को सत्ता का लोभ नहीं, न ही कोई राजनीतिक षडयंत्र • बड़े भाई राम को स्वामी व सर्वस्व मानना व स्वयं को दोषी मानना • स्वयं को अनर्थों का मूल मानना व पश्चाताप करना • सरल, निश्छल व भाइयों के प्रति प्रेम	1+1=2
	–	8. क	–	• भारत नित्य वसंत से सुशोभित व लालिमा से युक्त सूर्योदय की ताम्र–वर्ण लाली से युक्त वृक्ष की झूमती–नाचती शिखाओं से सुंदर • इंद्रधनुष जैसे पंखों वाले सुंदर पक्षियों का शीतल–मलय–समीर के सहारे भारत को अपना नीड़ समझकर आना • देश के हर नागरिक में करुणा का भाव • इस देश के तटों से टकराकर असीम सागर की लहरें अपनी यात्रा का समाप्त करती हैं • सूर्योदय के साथ सुखों की वर्षा (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	–	ख	–	• दिन में रात के समान पीड़ा व दुख का	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				अनुभव करना ● गर्म कपड़ों से भी सर्दी दूर नहीं भागती ● नायिका का कोई बनाव शृंगार न करना व हृदय ठंड से काँपना ● विरह की अग्नि का उसे जलाना, नायक तक दुख भरा संदेश भेजना	1+1=2
	–	ग	–	● बनारस शहर में वसंत का आगमन पारंपरिक न होकर अलग ढंग से ● वसंत परिवर्तन का प्रतीक ● बनारस में भक्तों, श्रद्धालुओं व पर्यटकों का आगमन ही वसंत है ● सभी प्राणियों में जीवन की नई चमक ● भिखारियों के खाली कटोरों का भरना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख)	1+1=2
	–	घ	–	● भरत का राम के प्रति श्रद्धा भाव व्यक्त करना, व राम के स्वभाव को जानना ● राम अपराधी पर भी क्रोध नहीं करते ● भरत के प्रति राम की विशेष कृपा व स्नेह ● भरत का प्रेम निस्वार्थ और उज्ज्वल	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	–	–	8. क	• हूणों के आक्रमण में सारे परिवार–भाई, माँ व पिता की मृत्यु होना • स्कंदगुप्त के प्रति प्रेम में धोखा मिलना • विपरीत परिस्थितियों व संकट में जीवन यापन • दुख से भरा हुआ एकाकी जीवन	1+1=2
	–	–	ख	• कवि की कभी अच्छी स्थिति न होना • समाज की कुरीतियों, रूढ़ियों, सड़ी–गली परंपराओं के विरोध के कारण समाज द्वारा इनका बहिष्कार व विरोध • सरोज की मृत्यु से एक मात्र सहारा छिनना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	–	–	ग	• आजादी के बाद भारत की जीवन–शैली व्यक्त करना • देश की शासन व्यवस्था से ईमानदार व आस्थावान लोगों का मोह भंग होना • कुछ चालाक लोगों द्वारा छल–कपट, शोषण, बेईमानी को बढ़ाना • ईमानदारी व परिश्रम करके रोटी खाने वालों का हाशिये पर चले जाना	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	—	—	घ	• विरहिणी नायिका का अत्यधिक दुखी होना • प्रियतम के पास पत्र ले जाने वाला कोई नहीं • प्रियतम से दूर होने पर घर सूना, जिसमें अकेली नहीं रह सकती • सावन प्रेम का महीना विरह को बढ़ा रहा है • नायिका अत्यंत दुखी व दुर्बल हो गई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
9.	9.	9.	9.	**किन्हीं दो काव्य सौंदर्य** भाव पक्ष 1 शिल्प पक्ष 2	3
	क	क	क	भाव पक्ष • सत्य के स्वरूप का चित्रण, कभी दिखता है, कभी ओझल होता है • 'महाभारत' की एक घटना के द्वारा सत्य को उद्घाटित किया गया है	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• विदुर का सत्य से पलायन करने की • प्रवृत्ति का भाव शिल्प पक्ष– • साहित्यिक खड़ी बोली • प्रवाहमयी भाषा • संवाद शैली के कारण रोचकता • अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार • बिंब और प्रतीकों का प्रयोग	
	ख	ख	ख	भाव पक्ष– • वसंत ऋतु की मनोहारी सुबह का सुंदर चित्रण • गरम पानी से नहाई हवा में ऋतु परिवर्तन का संकेत • हवा के फिरकी की तरह तेज होने का चित्रण शिल्प पक्ष • सहज, सरल खड़ी बोली • तत्सम् व तद्भव शब्दों का प्रयोग • 'फिरकी–सी' में उपमा अलंकार • 'हवा' में मानवीकरण अलंकार	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	ग	ग	ग	भाव पक्ष– • माघ महीने में पाला पड़ना (अत्यधिक ठंड होना) • विरहिणी नागमती पर इसका दारुण प्रभाव • रजाई के प्रयोग से ठंड और बढ़ जाती है • नायिका नागमती की विरह व्यथा का हृदय–स्पर्शी वर्णन शिल्प पक्ष– • भाषा – ठेठ अवधी • वियोग श्रृंगार रस • 'हटलि हहलि' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार • 'विरह–काल' में रूपक अंलकार • छंद – चौपाई	3
	घ	घ	घ	भाव पक्ष– • कवि सुजान के वियोग से व्यथित कवि की दशा का मार्मिक चित्रण • बहुत दिनों से सुजान के दर्शन न होना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
10.	10.	10.	10.	• कवि के प्राण सुजान की एक झलक पाने के लिए ही अटके हैं शिल्प पक्ष– • ब्रजभाषा • संगीतात्मकता • श्रृंगार रस के वियोग पक्ष का वर्णन • अनुप्रास एवं पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार **गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या** • संदर्भ और प्रसंग 1 • व्याख्या 3 • विशेष 1 बलिहारी है.....प्रेरणा देती है। लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी पाठ – कुटज प्रसंग – विपरीत परिस्थितियों में भी कुटज के सौंदर्य, स्वभाव व जिजीविषा का चित्रण व्याख्या बिंदु– • कुटज दुष्ट व्यक्ति के हृदय से भी अधिक	3 5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• कठोर पत्थरों के बीच बंद जलस्रोतों से भी अपने लिए रस (पोषण) प्राप्त कर लेता है और विपरीत परिस्थितियों में भी प्रसन्न रहता है • कुटज ऐसे पर्वतीय क्षेत्र में रहता है जो मूर्ख के दिमाग से भी अधिक सूना रहता है, फिर भी मस्त बना रहता है • प्राण देने वाली शक्ति को प्राप्त करना अत्यंत कठिन है • कठोर परिस्थितियाँ ही जीवन को प्राण (शक्ति) देती हैं विशेष– • कुटज की अदम्य जीवनी शक्ति का सुंदर चित्रण • तत्सम शब्दावली से युक्त चित्रात्मक भाषा • विवेचनात्मक शैली • ललित निबंध	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** मैं संग्रहकर्ता हूँ.....रक्षा करें। लेखक – ब्रज मोहन व्यास	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				पाठ – कच्चा चिट्ठा प्रसंग – संग्रहालय में चीजों को संग्रह करने के कार्य में लेखक व कृष्णदास के स्वभाव की तुलना व्याख्या बिंदु– • लेखक का वस्तुओं के संग्रह तक ही लगाव होना • भाई कृष्णदास वस्तुओं का संग्रह करने के बाद भी उससे गहरा लगाव रखते हैं • साथ ही संग्रह की गई वस्तुओं के साथ गहरे लगाव का आनंद भी उठाते हैं • संग्रहकर्ता वस्तुओं का प्रेमी भी हुआ तो ईश्वर ही उसकी रक्षा करें विशेष– • साहित्यिक खड़ी बोली • तत्सम, तद्भव व विदेशी शब्दों का प्रयोग • प्रवाहमयी भाषा	
11.	11. क	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित–** • साहित्य पढ़ने से मनुष्य आराम और शांति	3x2=6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				का अनुभव करता है • साहित्य मनुष्य को भावनात्मक व वैचारिक रूप से संतुष्ट करता है • परंतु साहित्य मनुष्य को कर्म करने के लिए प्रेरित करता है • साहित्य के कारण मनुष्य जीवन में प्रगति कर आगे बढ़ता है (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1+1
	ख	–	–	किसे– • भारत के शासकों ने यूरोप के विकास तरीकों को चुना • पश्चिम के विकास मॉडलों को ज्यों का त्यों अपनाया क्यों– • प्रकृति–मनुष्य व संस्कृति के बीच संतुलन नहीं रहा • भारतीय स्वरूप व जरूरतों के मुताबिक	1+2=3
	ग	–	–	• बड़ी बहुरिया के पति की मृत्यु के बाद हवेली की संपत्ति का बँटवारा • तीनों भाइयों का झगड़ा होना व शहर में	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				जाकर बस जाना • हवेली में बड़ी बहू का अकेले रह जाना व भूखे मरने की नौबत • हरगोबिन अतीत की शान–शौकत व हवेली के वैभव को जानता था • वर्तमान में हवेली की स्थिति व बड़ी बहू के दुखों को जानता था (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1+1
	घ	–	–	• धर्म का अर्थ और क्षेत्र व्यापक होता है, जिसमें सबके कल्याण की भावना • कुछ धर्म के ठेकेदार, धर्म की संकुचित व्याख्या करते हैं • ऐसे लोग धर्म के वास्तविक स्वरूप को लोगों तक नहीं पहुँचने देते • धर्म का जब तक जन सामान्य के कल्याण से संबंध होता है, तब तक धर्म का सकारात्मक विकास होता रहता है अन्यथा धर्म सड़ी–गली परंपराओं और रूढ़ियों में बदल जाता है (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	–	11. क	–	• प्रजापति (ब्रह्मा) सृष्टि व समाज का निर्माण करता है • जबकि कवि समाज से असंतुष्ट होकर नए समाज की कल्पना कर रचना करता है • अपनी रचना में मानव–संबंधों की सृष्टि करता है • प्रजापति के समान ही सृजन कर्ता व प्रेरणा स्रोत होता है (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	–	ख	–	• पारो का संभव से मंसादेवी पर मिलन होना • उन दोनों के बीच प्रेम की डोर बंधना • मनोकामना की गाँठ बांधने पर उसकी इच्छा पूरी होती है	3
	–	ग	–	• जो लोग विभिन्न विशेष प्रोजेक्टों के कारण अपना मूल व पैतृक निवास छोड़ चुके ; • औद्योगिकीकरण, विकास व प्रगति के कारण इनका परिवेश व आश्रय स्थल सदा के लिए उजड़ गया, जहाँ विस्थापित	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				किए गए वहाँ नए शरणार्थी कहलाए • भारत के लोग भारत में ही शरणार्थी बनकर जीवन जीने को विवश	1+2=3
	–	घ	–	किसे– • गाँव के लोगों की धारणा के अनुसार निठल्ला, कामचोर व पेटू होना दो विशेषताएँ– • औरतों का गुलाम व मीठी बातों में आने वाला • अपनी बात को प्रभावशाली ढंग से याद रखनेवाला और कहने वाला • कुशल वक्ता, संवेदनशील और भावुक	1+2=3
	–	–	11. क	• प्रयाग संग्रहालय के निर्माण में सर्वाधिक योगदान • व्यक्तिगत सम्मान व लाभ की परवाह किए बिना संग्रहालय में अनमोल वस्तुओं का संग्रह किया • लेखक जहाँ भी जाता, प्रयाग संग्रहालय के लिए कुछ न कुछ महत्वपूर्ण वस्तुओं को लाता • केवल वस्तुओं का संग्रह ही नहीं किया	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				बल्कि उसके लिए विशाल भवन का निर्माण भी करवाया ● संग्रहालय की देख–रेख के लिए योग्य अभिभावक डा. सतीश चंद्र काला को नियुक्त किया (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	–	–	ख	● संवदिया हरगोबिन गाँव में महत्वपूर्ण और गोपनीय संदेशों को लाने–ले जाने का कार्य करता है (विशेष रूप से महिलाओं के लिए) ● हरगोबिन संवादिया कुशल वक्ता, संवेदनशील व भावुक व्यक्ति है ● वह बड़ी बहुरिया की स्थिति व परिस्थिति को भलीभाँति समझता है ● वह बड़ी बहुरिया का संदेश लेकर उसके मायके जाता है किंतु कह नहीं पाता ● गाँव के मान–सम्मान व बड़ी बहुरिया की सेवा का निर्णय लेता है (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	–	–	ग	● 'शेर' व्यवस्था व तानाशाही वर्ग का प्रतीक	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• वास्तव में व्यवस्था का कार्य जनता की हर प्रकार से सेवा करना, उसकी आवाज सुनना व उसकी समस्याओं का हल करना है • किंतु व्यवस्था अपने को बनाए रखने के लिए जनता को भ्रम में रखती है • व्यवस्था प्यार का दिखावा, छल, कपट, लालच व अंततः बलपूर्वक अपने को सही साबित करने का प्रयास करती है	3
	–	–	घ	• यास्सेर अराफात अतिथियों का सत्कार करने में छोटी–छोटी बातों का ख्याल रखते थे • वे व्यक्तिगत रूप से अतिथियों की सेवा का ध्यान रखते थे • वे अतिथियों को सहजतापूर्वक आत्मीय बना लेते थे • वे अतिथियों की सेवा करने में छोटे–बड़े का भेद नहीं रखते थे • भारतीयों के प्रति विशेष प्रेम व आतिथ्य	
12.	12.	12.	12.	**किसी एक का जीवन–परिचय–** • जीवन–परिचय 2	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 1 • साहित्यिक विशेषताएँ 2 **भीष्म साहनी** **जीवन परिचय** – • गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. और पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच.डी.। • 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी ने उन्हें 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया। **रचनाएँ** – 'भाग्य रेखा', 'भटकती राख', 'पहला पाठ', 'वाङ्च पटरियाँ', 'शोभा यात्रा', 'निशाचर', 'डायन', 'पाली' (कहानी संग्रह), 'हानूश', 'माधवी', 'मुआवजे', 'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक), 'गुलेल का खेल' (बालोपयोगी कहानियाँ) आदि। नई कहानियों के कुशल सम्पादक। (कोई दो रचनाएँ अपेक्षित)	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में पंजाबी भाषा की सोंधी–सोंधी महक महसूस की जा सकती है। • भाषा में उर्दू शब्दों का प्रयोग विषय को आत्मीयता प्रदान करता है। छोटे–छोटे वाक्यों का सफल प्रयोग करके विषय को रोचक एवं प्रभावी बना देते हैं। • संवादों का सटीक प्रयोग वर्णन में ताजगी ला देता है। **अथवा** **असगर वजाहत** **जीवन परिचय** – • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम.ए. (हिन्दी) और पीएच.डी., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से की। • लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ–साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पटकथा लेखन का काम भी किया। **रचनाएँ–** 'दिल्ली पहुँचना है', 'स्विमिंग पुल और सब कहाँ	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				कुछ', 'आधी बानी', 'मैं हिंदू हूँ' (कहानी संग्रह), 'फिरंगी लौट आए', 'इन्ना की आवाज', 'वीरगति', 'समिधा', 'जिस लाहौर नई देख्या तथा उनकी' (नाटक), 'सबसे सस्ता गोश्त' (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह), 'रात में जागने वाले', 'पहर दोपहर' तथा 'सात आसमान', 'कैसी आगि लगाई' (प्रमुख उपन्यास) आदि (कोई दो रचनाएँ अपेक्षित) **साहित्यिक विशेषताएँ–** • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है • उनकी लघुकथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम व उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है **रघुवीर सहाय** **जीवन परिचय–** • अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. • पेशे से पत्रकार	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• प्रतीक, कल्पना, दिनमान जैसी पत्रिकाओं का संपादन **रचनाएँ–** 'सीढ़ियों पर धूप में', 'आत्महत्या के विरुद्ध', 'हँसो हँसो जल्दी हँसो', 'लोग भूल गए हैं' (कोई दो रचनाएँ अपेक्षित) **साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ** – • नवीन काव्य भाषा का विकास • अनावश्यक शब्दों से परहेज • अखबारी भाषा का प्रयोग • मानवीय पीड़ा की अभिव्यक्ति • अनुभव और बोध की अभिव्यक्ति **अथवा** **तुलसीदास** **जीवन परिचय –** • पिता आत्माराम दुबे और माता हुलसी थीं • विवाह विदुषी रत्नावली से हुआ	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				• तुलसीदास का गृहत्याग करना प्रसिद्ध है • अपना सारा जीवन प्रभु–भक्ति एवं लोक–जागरण को समर्पित कर दिया **रचनाएँ–** 'रामचरितमानस', 'विनयपत्रिका', 'गीतावली', 'कृष्ण गीतावली', 'दोहावली', 'बरवै रामायण', 'जानकी–मंगल', 'पार्वती–मंगल' आदि (कोई दो रचनाएँ अपेक्षित) **साहित्यिक विशेषताएँ–** • तुलसीदास लोक मंगल की साधना के कवि हैं। उनकी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि अत्यंत व्यापक है • अवधी के कवि हैं। छंद–विधान में वे सिद्धहस्त हैं • 'मानस' में दोहा–चौपाई का विधान है तो कवितावली में कवित्त–सवैया शैली है • सत्य तो यह है कि उनकी रचनाओं में भाव, विचार, काव्यरूप, छंद–विवेचन और भाषा की विविधता मिलती है	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
13.	13.	13.	13.	• झोंपड़ी जल जाने पर सूरदास का अत्यधिक उदास व खिन्न होना • जानते हुए भी कि आग लगाई गई है, कुछ न कह पाने की विवशता • उसके मन में रुपयों की पोटली को लेकर तरह–तरह के विचार • पोटली के साथ अधूरी आकांक्षाएँ जुड़ी थीं (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** • बच्चा माँ के आंचल में छिपकर दूध पीता है • वह माँ के स्पर्श और शरीर की गंध से परिचित होता है • वह माँ और प्रकृति की विशेषताओं को आत्मसात करता है • माँ के साथ आत्मीय संबंध से ही उसके चरित्र का निर्माण (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	
14.				**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित–**	4x2=8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	14. क	–	–	• तालाबों और बावड़ियों का निर्माण • नदियों को श्रद्धा भाव से स्वच्छ, सदानीरा रखना • आज के इंजीनियर मानते हैं कि सारा ज्ञान पश्चिमी नव जागरण के बाद ही आया • वे पानी बचाने के परंपरागत तौर–तरीकों से पूरी तरह अनभिज्ञ	4
	ख	–	–	• भैरों की खुशी देखकर उसके मन में ईर्ष्या का भाव जगा • क्योंकि भैरों को बिना मेहनत ही रुपयों की पोटली मिल गई • जबकि जगधर दिनभर मेहनत व एक–एक पैसे के लिए बेईमानी करता है • यदि आधे रुपये उसे मिल जाते तो जगधर को तसल्ली हो जाती • जगधर का हर संभव प्रयास कि सूरदास की पोटली उसे वापस मिल जाए	4
	ग	–	–	• महीप भूप सिंह का बेटा व रूप सिंह का भतीजा • अपनी माँ की मृत्यु के बाद वह पिता से अलग रहता है, घर वापस जाना नहीं	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				चाहता • वह अपनी पहचान को छिपाना चाहता है • पहचान होने पर रूपसिंह उससे तरह–तरह के सवाल करता, जो उसे असहज करते • साथ ही पारिवारिक स्थितियों के कारण उसका स्वभाव भी कम बोलने वाला था	4
	घ	–	–	• गाँव के तालाब जिसमें कुमद, कमल व सिंघाडे के फूल खिलते हैं • हरसिंगार व अन्य फूलों के अतिरिक्त तोरी, लौकी, इमली, आम, कटहल आदि के फूल • गाँव की ऋतुएँ (विशेष रूप से वर्षा ऋतु) चाँदनी रात व धूप का सजीव चित्रण • अनेक तरह के साँप, बिच्छू व बरसाती कीड़े • गाँव के लोगों का जीवन इस प्राकृतिक परिवेश से अभिन्न रूप से जुड़ा होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	4
		14.			
	–	क	–	• लेखक का मानना कि उसका गाँव और नदियाँ सबसे सुंदर • गाँव का जन जीवन प्राकृतिक परिवेश से	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				पूरी तरह संबद्ध है • उस गाँव से जन्मभूमि के रूप में गहरा लगाव • प्रकृति और नारियों के स्वभाव में साम्य • माँ के रूप में वह बच्चे के जीवन और चरित्र का निर्माण करती है • स्त्री सौंदर्य और प्रेम की सृष्टि करती है, जिसका प्रथम साक्षात्कार लेखक को अपनी माँ के रूप में होता है	4
	–	ख	–	• सभ्यता के विकास के कारण प्रकृति से छेड़छाड़ करना • उद्योगों के कारण नदियों का गंदे नाले में बदलना • सदानीरा नदियों का पानी सूखना, वर्षा कम व असमय होना • जलवायु का क्रम प्रभावित व परिवर्तित होना • समुद्र के पानी का गर्म होना, वैश्विक तापमान में वृद्धि, ध्रुवों पर जमी बर्फ का पिघलना • ऐसे विकास की सभ्यता को उजाड़ की अपसभ्यता का नाम देना ही उचित	4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
	–	ग	–	• रूपसिंह व शेखर प्रशिक्षित होने पर भी रस्सी खूंटी जैसी सहायक सामग्री के सहारे पहाड़ चढ़ते • जबकि अप्रशिक्षित भूपसिंह बिना किसी आधुनिक उपकरण के पहाड़ पर चढ़ने में समर्थ • भूपसिंह द्वारा शेखर व रूपसिंह को ऊँचे पहाड़ पर मफलर के सहारे चढ़ाना • माही से पत्नी व बैलों को अपने कंधों के सहारे ऊँचे पहाड़ हिमांग तक ले जाना • भूपसिंह की प्रतिभा के सामने रूपसिंह व शेखर का पहाड़ चढ़ना खोखला व बौना पड़ना	4
	–	घ	–	• सूरदास परिश्रमी, दृढ़–विश्वासी • कर्मठ, चरित्रवान • सहृदय, नारी के प्रति सम्मान भाव • आशावान, सहनशील • झोंपड़ी जलने से दुखी, पर हताश नहीं • प्रतिशोध का भाव नहीं, पुनर्निर्माण में विश्वास	4
	–	–	14. क	• माही गाँव में हिमांग बहुत ऊँचाई पर	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				स्थित था • रूपसिंह और शेखर बिना किसी उपकरण के हिमांग पर नहीं चढ़ सकते थे • भूपसिंह ने अपनी कमर पर मफलर बाँध कर बिना किसी उपकरण के पहले शेखर को हिमांग पर चढ़ाया • हिमांग की प्रायः खड़ी चढ़ाई को भूपसिंह ने सिर्फ पेड़ों–पत्थरों के सहारे पार किया • भूपसिंह ने अपने शरीर के अद्‌भुत संतुलन, धैर्य, आत्मविश्वास, ताकत और कुशलता से रूपसिंह व शेखर को बारी–बारी से हिमांग पर पहुँचाया	4
	–	–	ख	• क्योंकि आधुनिक औद्योगिक सभ्यता ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया • खाऊ–उजाडू सभ्यता के कारण नदी, तालाब प्रदूषित हो गए व सूख गए • समुद्र का पानी लगातार गरम हो रहा है • इन्हीं सब कारणों से मालवा में अब पहले जैसा पानी नहीं गिरता	4
	–	–	ग	• भैरों की ईर्ष्या का • भैरों अपनी पत्नी सुभागी को मारता–पीटता था • सूरदास ने सुभागी को शरण देकर उसकी	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 4 / 1	29 / 4 / 2	29 / 4 / 3		
				रक्षा की • बदला लेने के लिए उसकी झोंपड़ी में आग लगा दी • झोपड़ी जला दी और रुपयों की पोटली चुरा ली	4
	–	–	घ	• गाँवों का जीवन अपने प्राकृतिक परिवेश से पूरी तरह संबद्ध होता है • गाँवों में शहरों की तरह सुख–सुविधाएँ नहीं होती, किंतु प्रकृति इस कमी को पूरा करती है • मनुष्य के साथ प्रकृति भी शिक्षक व साथी का कार्य करती है • गाँव की स्त्रियों में नैसर्गिक सुंदरता होती है • गाँव के जनजीवन में अनेक तरह की बीमारियाँ और अंधविश्वास होते हैं	4